Your Roll No. .....

5858

## LL.B. / IV Term

C

## Paper LB-4038 : INTELLECTUAL PROPERTY LAW-1

Time: 3 Hours Maximum Marks: 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Answers may be written either in English or in Hindi: but the same medium should be used, throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न - पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में टीजिए; लेकिन सभी उन्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions.

All questions carry equal marks.

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। 1. What is distinctiveness in trade marks? Can the geographical names be registered as Trade Marks solely on the basis of acquired distinctive? Discuss the relevant provisions of the Trade Marks Act, 1999 in this regard.

व्यापार - चिह्न में सुभिन्नता क्या है ? क्या व्यापार चिह्न को मात्र प्राप्य भिन्नता के आधार पर भौगोलिक नाम के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है ?

इस विषय में व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के संगत प्रावधानों की विवेचना कीजिए।

2. Doctrine of confusing similarity deceptive similarity is relevant in the registration of Trade Marks as well as is Infringement and Passing-off actions. Discuss the principles followed by the courts while deciding such cases. Is there any change in the principles if the goods are medicinal products as against other non-medical products? Comment with the help of case law.

व्यापार - चिह्न के पंजीकरण में तथा अतिलंघन तथा चला देना के कार्यों में भ्रामक / समस्पता जिससे धोखा हो जाए का सिद्धान्त संगत है। न्यायालयों द्वारा ऐसे वादों का विनिश्चय करते हुए पालित सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए। क्या सिद्धान्तों में कोई परिवर्तन होता है यदि माल औषधीय उत्पाद है या गेर - औषधीय उत्पाद हे ? वाट र्विध की महायता से टिप्पणी कीजिए ।

3. The Trade and Merchandise Marks Act, 1958 did not have the provision for trade mark dilution, still the principle of dilution was developed by Indian Courts. Discuss the concept of dilution in the light of the provisions in Trade Marks Act, 1999 and case law.

व्यापार एवं वाणिज्यिक चिह्न अधिनियम, 1958 में व्यापार - चिह्न के तनुकरण का कोई प्रावधान नहीं है फिर भी भारतीय न्यायालयों द्वारा तनुकरण के सिद्धान्न को पुरा:स्थापित किया गया। तनुकरण की अवधारणा को व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के प्रावधानों तथा वाव विधि के प्रकाश में व्याख्या कीजिए।

- 4. (a) Discuss the meaning of well-known trade marks under the frade Marks Act. 1999 and also the relevant factors for determining a trade marks as a well-known trade mark under S. 11(6) of the Act.
  - (b) "In the context of provisions of the Trade Marks Act, 1999, the similarity or association that is referred to us \$3.29 can only be a similarity between

goods and goods or services and services and can not be similarity between goods on the one hand and services on the other."

Discuss the above statement by giving reasons and case law.

- (क) व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 में वर्णित "सुविख्यान व्यापार चिह्न" के अर्थ तथा अधिनियम की धारा 11(6) के अधीन एक व्यापार चिह्न के रूप में विनिश्चायक संगत कारकों की विवेचना कोजिए।
- (ख) "व्यापार चिद्र, 1999 के प्रावधानों के सन्दर्भ में धारा 29 में उल्लिखिन समानना या जुड़ाव मात्र माल नथा माल अथवा सेवा नथा सेवाओं के मध्य समानना हो सकती है तथा एक तरफ माल नथा दूसरी नरफ सेवाओं के मध्य समानना नहीं हो सकती।"

उपरोक्त कथन की कारण सहित तथा वाट विधि द्वारा विवेचना कीजिए।

5. Discuss the law relating to the meaning and Infringement of geographical indications under the Geographical Indications of Goods (Registration And Protection) Act, 1999.

माल का भोगोलिक उपदर्शक (प्रजीयन तथा रजिस्ट्रेशन) अधिनियम, 1999 के अधीन भौगोलिक उपदर्शक के अर्थ एवं अतिलंघन से सम्बन्धित विधि की विवेचना कीजिए।

- (c) Grounds for cancellation of registered design निम्न में किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:-
- ाक) डोमेन नाम Domain Name) का व्यापार चिंह के रूप में संरक्षण
- ाख) व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 की धारा 30(2)(d) के विभिष्ट सन्दर्भ में अनिन्धम के अपवाद
- (ग) पंजीकृत डिजाडन के रहीकरण के आधार